जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

शिक्षा संकाय

बी.एड./डी.एड.

सत्र - 2012 - 2013

संगीत एवं आदर्श वाक्य डायरी

प्रवेश क्रमांक .....

1. छात्र/छात्रा का नाम : श्रीमति शांति जैन .....
2. विषय : संगीत एवं आदर्श वाक्य ..... प्रश्नपत्र - .....
3. विषय शिक्षक का नाम : .....

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद गीत)

क्रमांक ③

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिन्ध, गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मागे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे। जय हे। जय हे
जय जय जय जय हे।

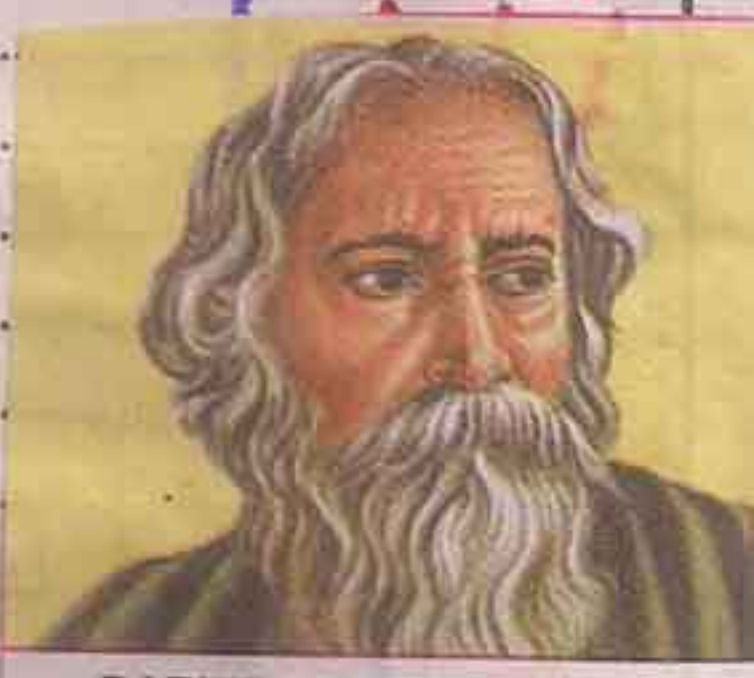

RABINDRA NATH TAGORE
रवींद्रनाथ टैगोर

आदर्श वाक्य

क्रमांक ③

किसी एक विचार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाओ
उसी के बारे में सोचो और काम करो
तुम पाओगे कि सफलता तुम्हारे कदम चूमरही है

स्वामी विवेकानंद
विचारक का नाम

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद गीत)

क्रमांक ...4...

सारे जहाँ से अच्छा,
हिन्दोस्ताँ हमारा
हम बुलबुले है इसकी
ये गुलिस्ताँ हमारा !

पर्वत वो सबसे ऊँचा
हम साया आसमाँ का
वो संतरी हमारा वो पासवाँ हमारा !

गोदी में खेलती है जिसकी हजारों नदियाँ
गुलशन है जिसके दम से इस्के जहाँ हमारा

मजहब नही सिखाता
आपस में बैर रखना
हिन्दी है हम वतन है
हिन्दोस्ता हमारा !

सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दोस्ता हमारा !

आदर्श वाक्य

क्रमांक ...4...

आपकी सफलता और खुशी आप में निहित है खुश रहने की ठान लो तो आप व आपकी खुशी कठिनाइयों के खिलाफ अजेय बन जायगी !

हेलन केलर

विचारक का नाम

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद

KASTURBA GANDHI
कस्तूरबा गांधी

क्रमांक ..... 5 .....

इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो न
हम चले नेकरस्ते पे हम से
भूल कर भी कोई भूल हो न

दूर अज्ञान के हो अंधेरे
तू हमे ज्ञान की रोशनी दे
हर बुराई से बचते रहे हम
जिंदगी भी दे भली जिंदगी दे

बोझ ममता का दिल में दबा ले
बैर हो न किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो न

हम चले नेक रस्ते पे हमसे
भूलकर भी कोई भूल हो न

इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो न

आदर्श वाक्य

क्रमांक ..... 5 .....

यदि अवसर का लाभ न उठाया जाये
तो योग्यताएँ का कोई मूल्य नहीं होता

स्वामी विवेकानंद
विचारक का नाम

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद गीत)

क्रमांक ....5....

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन ऽऽ
हो-हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन - - -

होगी शांति चारों ओर - 3 एक दिन ऽऽ
हो-हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब

हम चलेंगे साथ-साथ,
होंगे हाथों में हाथ, हम चलेंगे साथ-साथ
एक दिन ऽऽ हो हो - - - - - - - -

नहीं डर किसी का आज - 3 एक दिन ऽऽ
हो-हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

आदर्श वाक्य

क्रमांक ....6....

हम स्वयं की क्षमताओं के अनुमान के
आधार पर जीते हैं
जबकि लोग हमारी उपलब्धियों के आधार
पर आंकते हैं।

हेनरी वडसवर्थ
विचारक का नाम

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद

BAHADUR SHAH ZAFFAR
बहादुर शाह ज़फर

क्रमांक ......19......

पासे सभी पलट गए दुश्मन की चाल के
अक्षर सभी पलट गए भारत के भाल के
मंजिल पे आया मुल्क हर बला को टाल के
सदियों के बाद फिर उड़े बादल गुलाल के
हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकाल के
इस देश को रखना मेरे बच्चो संभाल के
तुम ही भविष्य हो मेरे भारत विशाल के
इस देश को रखना मेरे बच्चो संभाल के
देखो कहीं बरबाद न होवे यह बगीचा
इसको हिरदय के खून से बापू ने है सींचा
रखा है यह चिराग शहीदों ने बाल के
दुनिया के दाव पेच से रखना न वास्ता
मंजिल तुम्हारी दूर है लम्बा है रास्ता
भटका न दे कोई तुम्हें धोखे में डाल के
इस देश को रखना - - -
एटम बमों के जोर पे ऐंठी है दुनिया
बारूद के इक ढेर पे बैठी है दुनिया
तुम हर कदम उठाना जरा देखभाल के
इस देश को रखना - - -

आदर्श वाक्य

क्रमांक ......19......

हर वर्ष एक बुरी आदत को मूल से खोदकर
फेंका जाए तो कुछ ही वर्षों में
बुरे से बुरा व्यक्ति भी भला बन सकता है

सुकरात
विचारक का नाम

जी.आई.एस. कॉलेज

पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)

संगीत डायरी

(राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत/देशभक्ति गीत/शिक्षाप्रद गीत)

क्रमांक ......(20)........

मेरा रंग दे बसन्ती चोला
जिसे पहन कर वीर शिवाजी ने माँ का बन्धन खोला
यह चोला टीपू ने पहनकर हंस कर दी कुर्बानी
इसे पहन झांसी की रानी, खूब लड़ी मर्दानी
पहन इसे मेवाड़ का राणा, जै जै भारत बोला
मेरा रंग दे बसंती चोला
इन्कलाब जिन्दाबाद, इन्कलाब जिन्दाबाद

इसी रंग रंगा गया है सारा हिन्दुस्तान
रंग बसन्ती रे मैं बताऊ क्या है तेरी शान
देख के फांसी का तख्ता भी दिल न हमरा डोला
मेरा रंग दे बसन्ती चोला
इन्कलाब जिन्दाबाद इन्कलाब जिन्दाबाद
मौत से पहले यही दुआ है हो भारत आजाद
ओ भारत के वीर कभी जो आए हमरी याद
मौत को गले लगाकर गाना रंग दे बसंती चोला
इन्कलाब जिन्दाबाद इन्कलाब जिन्दाबाद

मेरा रंग दे बसंती चोला

आदर्श वाक्य

क्रमांक (20)..............

अपने कर्मों के प्रति बहुत ज्यादा संकोची
और निराशावादी मत बनिए
दरअसल पूरा जीवन ही एक अनुभव है

राल्फ वाल्डो इमर्सन
विचारक का नाम